पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सलमान खान को घर में घुसकर मारने की धमकी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 43 ■ अंक : 37 ■ मंगलवार, 15 अप्रैल 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर मनपा पर दिव्यांगों का विरोध प्रदर्शन

- आंबेडकर जयंती पर आत्मचिंतन आंदोलन
- प्रहार जनशक्ति पार्टी व राष्ट्रीय जनकल्याण पार्टी ने लिया भाग
- आयुक्त ने दिया दिव्यांगों को आश्वासन
- दिव्यांगों को नहीं मिला मानधन
- स्टॉल भी मनपा नहीं कर रही उपलब्ध

उल्हासनगर. उल्हासनगर में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर प्रहार जनशक्ति पार्टी और राष्ट्रीय जनकल्याण पार्टी द्वारा दिव्यांगों की विभिन्न मांगों को लेकर उल्हासनगर महानगरपालिका मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया गया।

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के बावजूद मनपा द्वारा दिव्यांगों को दिया जाने वाला मानधन समय पर नहीं मिला, जिससे अनगिनत दिव्यांगों के घरों में चूल्हा नहीं जला। इसके साथ ही शहर में भू-माफियाओं द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा किया जा रहा है, वहीं दिव्यांगों के लिए 4x4 टेंट के लिए भी जगह उपलब्ध नहीं है। मनपा का यह गैरजिम्मेदाराना रुख बेहद अफसोसनाक है, जबकि दिव्यांग अधिनियम 2016 के तहत दिव्यांगों को जीविकोपार्जन के लिए स्टाल उपलब्ध कराना अनिवार्य है। इन सभी मुद्दों पर आवाज उठाते हुए आज दिव्यांगों के प्रतिनिधियों ने प्रदर्शन किया। डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर आत्मचिंतन आंदोलन की शुरुआत की गई। इस विरोध प्रदर्शन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए आयुक्त मनीषा आव्हाले ने दिव्यांगों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। उन्होंने मौखिक रूप से आश्वासन दिया कि आगामी 48 घंटे के भीतर सभी दिव्यांगजनों का मानधन उनके खातों में पहुंचा दिया जाएगा तथा मानधन वितरण प्रक्रिया में हुई देरी की जांच कराई जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। साथ ही दिव्यांगों के लिए निशुल्क बस सेवा, स्टॉल आवंटन और दिव्यांग सामग्री की खरीद में भ्रष्टाचार पर चर्चा के लिए बुधवार शाम 4 बजे विशेष बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में ठोस निर्णय लिया जाएगा और इस आशय का लिखित पत्र प्रहार जनशक्ति पार्टी को दे दिया गया है।

ठाणे-कसारा व ठाणे-बदलापुर के बीच रेल हादसों में

15 महीनों में 663 रेल यात्रियों की मौत

कल्याण. मध्य रेलवे पर ठाणे से बदलापुर और कसारा तक का सफर जानलेवा और मौत का जाल बनता जा रहा है। ठाणे, डोंबिवली और कल्याण रेलवे पुलिस स्टेशनों के रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले 15 महीनों में, यानी 1 जनवरी 2024 से 31 मार्च 2025 तक, ट्रैक पार करते समय और ट्रेन से गिरकर 663 लोगों की जान चली गई है। ये दुर्घटनाएं मध्य रेलवे मार्ग पर मुंबई डिवीजन के अन्य पुलिस स्टेशनों में दर्ज दुर्घटनाओं से अधिक हैं।

लाखों यात्री प्रतिदिन काम या व्यापार के लिए मध्य रेलवे लाइन पर कर्जत व कसारा से मुंबई की ओर यात्रा करते हैं। चूंकि मुंबई पहुंचने के लिए पर्याप्त सड़क सेवा सुविधाएं नहीं हैं, इसलिए नागरिकों के पास रेलगाड़ी के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ठाणे रेलवे पुलिस स्टेशन ठाणे, कलवा, मुंब्रा, दिवा और ऐरोली रेलवे स्टेशनों को कवर करता है। कोपर, डोंबिवली, ठाकुर्ली, भिवंडी, खारबाव, कामा रोड और जूचंद्र रेलवे स्टेशन डोंबिवली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। कल्याण रेलवे पुलिस स्टेशन कल्याण, विट्ठलवाड़ी, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर, शहाड, अंबिवली, टिटवाला, खडवली, वाशिंद, आसनगांव, अटगांव, खरदी और कसारा रेलवे स्टेशनों को कवर करता है।

इन रेलवे स्टेशनों की सीमा के भीतर होने वाली दुर्घटनाओं की सूचना संबंधित पुलिस स्टेशन को दी जाती है। इस डेटा के अनुसार, पिछले 15 महीनों में ठाणे-कसारा और ठाणे-बदलापुर मार्गों पर दुर्घटनाओं में 663 लोगों की मौत हुई है। इसमें से 391 लोगों की जान रेलवे ट्रैक पार करते समय चली गई। चलती ट्रेन से गिरकर 272 लोगों की मौत हो चुकी है।

इन दुर्घटनाओं के पीड़ितों में पुरुष यात्रियों का अनुपात अधिक है। 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2024 के बीच ठाणे लोहमार्ग पुलिस स्टेशन की सीमा में 140 पुरुषों की व 11 महिलाएँ की मौत हुई. डोंबिवली में 51 पुरुष और तीन महिलाएं हैं, जबकि कल्याण में 91 पुरुष और तीन महिलाएं हैं।

दुर्घटनाओं में कहां हुई कितनी मौतें...!

1 जनवरी से 31 दिसंबर 2024 तक (मृत्यु)		
पुलिस स्टेशन	रेलवे ट्रैक पार करना	चलती ट्रेन से गिरना
ठाणे	151	68
डोंबिवली	54	39
कल्याण	104	116

1 जनवरी से 31 दिसंबर 2025 तक (मृत्यु)		
पुलिस स्टेशन	रेलवे ट्रैक पार करना	चलती ट्रेन से गिरना
ठाणे	44	14
डोंबिवली	14	07
कल्याण	24	28

> दुर्घटना के बारे में यात्रियों के बीच बार-बार जागरूकता अभियान चलाए जाने के बावजूद, रेल पटरियां पार करना जारी है। इसलिए अनावश्यक रूप से पीड़ितों की हत्या की जा रही है। चलती ट्रेनों से यात्रियों के गिरने या अन्य दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आई है।
>
> -डॉ. स्वप्निल नीला, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, मध्य रेलवे

साइबर क्राइम के खिलाफ पुलिस ने कसी कमर

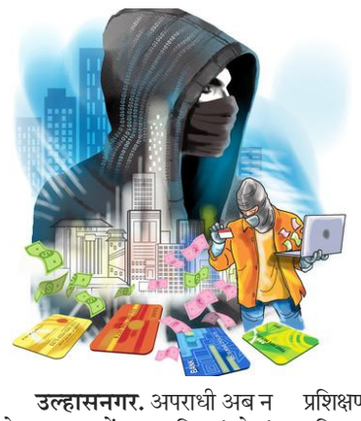

- पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हाईटेक प्रशिक्षण

उल्हासनगर. अपराधी अब न केवल सड़कों पर, बल्कि 'कोड' और 'क्लिक' की दुनिया के जरिए भी समाज पर हमला कर रहे हैं। साइबर अपराधी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके परिष्कृत तरीकों से धोखाधड़ी कर रहे हैं। ठाणे शहर पुलिस ने इस नए खतरे से निपटने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल ही में शहर के सेंट्रल पुलिस स्टेशन में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान, पुलिस टीम को एआई-आधारित साइबर अपराधों से निपटने के लिए अत्याधुनिक कौशल और उपकरणों से परिचित कराया गया।

पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शंकर अवताड़े के मार्गदर्शन और प्रसिद्ध साइबर सुरक्षा सलाहकार धर्मेंद्र नलावड़े के नेतृत्व में उल्हासनगर के सेंट्रल पुलिस स्टेशन में आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण सत्र में पुलिस अधिकारियों को आधुनिक साइबर अपराधों से निपटने के लिए व्यावहारिक और वैज्ञानिक तैयारी कराई गई। उपस्थित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को एआई-सक्षम आक्रमण विश्लेषण, आधुनिक साइबर अपराध जांच तकनीक, एआई-आधारित रक्षा प्रणाली और डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन के प्रमुख मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया गया।

> आज का साइबर अब केवल कंप्यूटर तक सीमित नहीं रह गया है, यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से और अधिक खतरनाक और अदृश्य हो गया है। ऐसे समय में ठाणे पुलिस द्वारा दिखाई गई दूरदर्शिता और तकनीकी तैयारी दूसरों के लिए प्रेरणादायी होगी। सिर्फ हथियार ही नहीं, बल्कि आज पुलिस के लिए कोड, डेटा और नंबरों की जानकारी होना भी उतना ही जरूरी है।
>
> -धर्मेंद्र नलावडे, साइबर सुरक्षा सलाहकार

यह प्रशिक्षण सत्र न केवल जानकारीपूर्ण था, बल्कि इससे पुलिस अधिकारियों के प्रदर्शन में वास्तविक अंतर भी आया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ₹साइबर अपराध अब पारंपरिक अपराध जितना ही खतरनाक हो गया है। इसलिए पुलिस बल को भी उसी गति से अपने कौशल को अद्यतन करने की आवश्यकता है। हम नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

अंबरनाथ में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

- हजारों अनुयायियों ने किया अभिवादन
- विधायक किणीकर ने किया पुष्पहार अर्पण

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में भारत रत्न राज्य घटना के शिल्पकार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती पर शहर के नेताओं, बाबासाहेब के अनुयायियों, पूर्व नगरसेवकों ने अंबरनाथ नगर परिषद स्थित बाबासाहेब आंबेडकर के पूर्णाकृति पुतले को पुष्पहार अर्पण करके अभिवादन किया. अंबरनाथ शहर एवं आसपास के परिसर से 13 अप्रैल की रात 12 बजे हजारों, पुरुष, महिलाओं, युवकों ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अमर रहे की घोषणा करते हुए अभिवादन किया. पूरा शहर नीले झंडों से लहरा रहा था. विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप पाटिल, पूर्व नगराध्यक्षा प्रज्ञा बनसोडे, एड. संदीप भराडे, धनंजय सुर्वे, यश जाधव, मुक्कू लेनिन आदि ने पुष्पहार अर्पण करके अभिवादन किया. विविध मंडल और संस्था द्वारा शरबत, मिठाई का प्रबंध किया गया था. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर संयुक्त जयंती द्वारा महोत्सव का 40वां वर्ष मनाया जा रहा है. ठाणे जिले की सबसे बड़ी आंबेडकर जयंती अंबरनाथ में मनाई जाती है.

13 व 14 अप्रैल को अनेक कार्यक्रमों का आयोजन जयंती महोत्सव द्वारा रखा गया है. 14 अप्रैल को शहर पूर्व और पश्चिम से आंबेडकरी जनता का विशाल जुलूस निकाला गया. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती मंडल के अध्यक्ष भरत टपाल, उपाध्यक्ष सुनिल वाघमारे, चिटणीस नितिन इनकर आदि हैं. पुलिस का तगड़ा बंदोबस्त रखा गया था.

विशाल गवली का विट्ठलवाड़ी श्मशान घाट पर आधी रात को किया गया अंतिम संस्कार

कल्याण. कल्याण पूर्व के चक्की नाका में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसकी बेरहमी से हत्या करने वाले कुख्यात विशाल गवली ने रविवार सुबह तलोजा जेल के शौचालय में तौलिए से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इन सभी मामलों की प्रारंभिक जांच करने के बाद विशाल के शव को तलोजा जेल से मुंबई के जे.जे. अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इसके बाद विशाल का शव पुलिस सुरक्षा में सोमवार आधी रात के करीब कल्याण के विट्ठलवाड़ी श्मशान घाट लाया गया। वहीं उसके परिवार की उपस्थिति में उसका अंतिम संस्कार किया गया।

विशाल को उसके किये की सजा मिली

मृतक लड़की के पिता ने मीडिया को बताया कि भगवान ने स्वयं उन्हें इस न्याय से दंडित किया है: 'जैसा करोगे, वैसा पाओगे।' विशाल की मौत के बाद पूरे दिन विभिन्न क्षेत्रों से ऐसी ही प्रतिक्रियाएं सुनने को मिलीं, जिनमें कहा गया कि मृतक लड़की और उसके परिवार को न्याय मिला है।

तलोजा जेल में विशाल द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद जेल प्रशासन द्वारा इसकी सूचना सबसे पहले स्थानीय खारघर पुलिस स्टेशन को दी गई तथा उसके बाद सुबह कल्याण में विशाल के परिवार को दी गई। न्यायिक अधिकारियों द्वारा जेल में विशाल के आत्महत्या किए जाने की प्रारंभिक जांच व आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद जेल प्रशासन ने विशाल के शव को पुलिस सुरक्षा में जेजे अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

अवैध निर्माणों की बाढ़

- अतिक्रमण विभाग चुप
- अब पुलिस चौकी में ही 3 अवैध गालों का निर्माण

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में अवैध निर्माणों की बाढ़ सी आ गई है. शहर पश्चिम में गत दिनों चिखलोली में 20 बड़े गाले पतरे के शेड मारकर बनाए गए हैं, तो उसी सड़क पर टी पाइंट पर पहले पुलिस चौकी का बोर्ड लगा उसी जगह तीन पतरे के बड़े गाले बनाकर मिठाई की दुकान का बोर्ड लगा दिया गया. उसके बाजू में पुलिस चौकी का निर्माण किया गया है.

जानकारी मिली है कि ये जगह टीडीआर से नपा ने अपने कब्जे में लिया है. नपा अतिक्रमण विभाग ने इन गालों के मालिक को नोटिस जारी करके अवैध निर्माण हटाने को कहा है. इससे पहले भी चिखलोली में गत वर्ष निर्माण किए गए 20 अवैध गालों को केवल नोटिस जारी किया गया था. ये गाले लाखों रुपयों में बेच दिए गए. उस पर नपा अतिक्रमण विभाग ने आज तक कार्रवाई नहीं की है. अब पुलिस चौकी को हटाकर तीन बड़े अवैध गालों का निर्माण किया गया है. इसी तरह शहर पूर्व में आनंद नगर सड़क से होकर लोकनगरी की तरफ आनेवाले सड़क के आसपास दर्जनों अवैध दुकानें बन गई हैं. इन अवैध निर्माणों के बारे में नपा अतिक्रमण विभाग को खबर किया गया है. यहां पर भी कोई कार्रवाई अतिक्रमण विभाग नहीं कर रहा है. इस सड़क पर रोजाना दो अवैध दुकानों का निर्माण हो रहा है. अतिक्रमण विभाग इन सभी अवैध निर्माणों पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है. इस पर शहर में चर्चा हो रही है.

कल्याण तालुका में 'मोबाइल पुलिस स्टेशन'

टिटवाला. ठाणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. धोंडोपंत स्वामी के मार्गदर्शन में कल्याण तालुका पुलिस स्टेशन ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक अनूठी और अभिनव पहल 'मोबाइल पुलिस स्टेशन' शुरू की है। यह पहल टिटवाला क्षेत्र से शुरू हुई है और इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को सीधे पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं को सुनकर त्वरित न्याय प्रदान करना है।

उप-विभागीय पुलिस अधिकारी जगदीश शिंदे और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुरेश कदम के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों की एक टीम डिजिटल वैन के साथ गांव-गांव घूम रही है। नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतें उनके घर-द्वार पर सुनी जा रही हैं तथा तत्काल उपाय किए जा रहे हैं। इस वैन में अत्याधुनिक डिजिटल सुविधाएं हैं और यह नागरिकों को नए कानूनों के बारे में जानकारी देने वाले वीडियो भी दिखा रही है।

इस पहल के दौरान महिला सुरक्षा, चेन चोरी के खिलाफ सावधानियां, बाल यौन शोषण के खिलाफ उपाय, इंस्टाग्राम का सुरक्षित उपयोग, लड़कियों को परेशान किए जाने पर उनकी मदद करने के उपाय और यातायात नियमों के महत्व जैसे विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। पुलिस आदिवासी गांवों और ईंट भट्टों पर काम करने वाले मजदूरों तक भी पहुंच रही है ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके और तत्काल कार्रवाई की जा सके। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों में पुलिस के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

ठाणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. डी. स्वामी ने इस मोबाइल पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रशंसा की और उनके काम की सराहना की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि यह पहल अनुकरणीय साबित हो रही है।

कल्याण, अंबरनाथ में 10 हजार 'लखपति दीदी'

- डिजिटल सेवाओं के माध्यम से शुरू किए गए छोटे व्यवसाय

कल्याण. कल्याण और अंबरनाथ तालुका की 10,000 से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन गई हैं। इन महिलाओं को महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका सुधार मिशन 'यूएमईडी' के अंतर्गत क्रियान्वित 'लखपति दीदी' योजना का सफलतापूर्वक लाभ मिला। इसके लिए महिला स्वयं सहायता समूहों की मदद से ये महिलाएं घरेलू सामान, कृषि, पशुपालन, डिजिटल सेवा आदि के क्षेत्र में छोटे-छोटे उद्योग शुरू कर 'लखपति दीदी' बनने का गौरव हासिल कर पाई हैं।

महिला स्वयं सहायता समूहों में काम करने वाली महिलाओं के आर्थिक उत्थान को सुनिश्चित करने के लिए ठाणे जिला परिषद के माध्यम से विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के तहत, इस 'लखपति दीदी' योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब महिलाओं को कम से कम दो आजीविका के अवसर प्रदान करना है, ताकि उनके परिवार प्रति वर्ष एक लाख रुपये से अधिक की आय प्राप्त कर सकें। 'यूएमईडी' अभियान का उद्देश्य गरीबी उन्मूलन करना तथा जमीनी स्तर पर गरीबों के लिए मजबूत संस्थाओं का निर्माण करके आजीविका में स्थायी सुधार लाना, स्वरोजगार और कुशल मजदूरी रोजगार के अवसर प्रदान करना है। यही कारण है कि महिलाओं के लिए यूएमईडी अभियान के तहत व्यावसायिक प्रशिक्षण, ऋण और वित्तीय सहायता, डिजिटल पंजीकरण आदि सहित वित्तीय साक्षरता कार्यशालाओं की योजना बनाई गई और उन्हें सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया। इससे स्वयं सहायता समूहों और उनकी महिलाओं को लाभ मिला है।

अंबरनाथ और कल्याण तालुकाओं में 2,425 स्वयं सहायता समूहों की कुल 10,094 महिलाएं 15 लाख रुपये से अधिक की आय प्राप्त करने में सफल रही हैं। 1 लाख. उम्मेद मिशन के तहत क्रियान्वित इस योजना ने ठाणे जिले में 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया है। इसके अलावा, कल्याण और अंबरनाथ तालुका में निर्धारित लक्ष्य से अधिक महिलाएं इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। इसे डिजिटल आजीविका रजिस्टर मोबाइल ऐप में पंजीकृत किया गया है।

इस बीच, ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने इस सफलता पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि 'उम्मीद' अभियान के तहत क्रियान्वित लखपति दीदी योजना न केवल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की योजना है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों की जीवनशैली में बदलाव लाने वाली भी एक ताकत है।

अंबरनाथ	
स्वयं सहायता समूह	798
लक्ष्य (महिला)	3,095
पूर्ति (महिला)	3,465

कल्याण	
स्वयं सहायता समूह	1627
लक्ष्य (महिला)	6,269
पूर्ति (महिला)	6,629

लखपति दीदी योजना के लाभ

- व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास
- बैंक ऋण और वित्तीय सहायता
- डिजिटल पंजीकरण और लेनदेन
- सामुदायिक निवेश निधि
- जोखिम-विरोधी फंड
- कंपनी की स्थापना

4 छात्रों ने ब्लैकमेल कर लाखों के जेवरात लूटे

उल्हासनगर. शहर में नाबालिगों में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति का एक चौंकाने वाला और गंभीर मामला सामने आया है। एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जिसमें चार नाबालिगों ने अपने एक दोस्त को सिर्फ एक सिगरेट पीते हुए वीडियो क्लिप का इस्तेमाल करके बार-बार ब्लैकमेल किया और उससे 9 लाख 59 हजार रुपये के सोने के गहने हड़प लिए। पीड़ित लड़के के माता-पिता ने उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित उल्हासनगर कैंप 1 में रहने वाले एक व्यापारी का नाबालिग बेटा है और प्राइवेट क्लास में पढ़ता है। कुछ समय पहले उसके चार दोस्तों ने उसी कक्षा में सिगरेट पीते हुए उसका वीडियो बना लिया था। इस वीडियो को अपने मोबाइल में कैद करने के बाद चारों ने पीड़िता पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। इन चारों दोस्तों ने पीड़ित के घर से सोने के जेवरात लूट लिए और वीडियो उसके परिवार को दिखाने की धमकी दी। इतना ही नहीं, उन्होंने धमकी दी कि यदि उसने सहयोग नहीं किया तो क्लिप उसके माता-पिता और पुलिस को दिखा दी जाएगी, जिससे पीड़ित उनके दबाव में आ गया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

यूपीआई से भुगतान में कुछ जोखिम और चुनौतियां

करीब एक दशक पहले किसी ने सोचा नहीं था कि यूपीआइ से लेनदेन की नई प्रणाली उनकी जिंदगी बदल देगी। बहुत सारे लोगों के लिए धन हस्तांतरण से लेकर बिजली-पानी के बिलों को भरना और कहीं भी कुछ भी खरीदारी करना आसान हो गया। अब एक तरह से लोगों की जेब में बैंक है, जिसके जरिए वे कभी भी डिजिटल लेन-देन कर सकते हैं। मगर यूपीआइ से भुगतान में कुछ जोखिम और चुनौतियां भी हैं, जिनका निवारण अभी तक नहीं किया जा सका है।

कई तरह की ठगी, खाते से पैसे उड़ा लिए जाने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। मगर इसके अलावा लेन-देन में विफलता आम समस्या है जो आमतौर पर नेटवर्क की दिक्कत या 'सर्वर डाउन' हो जाने से पैदा होती है। हैरत की बात है कि पिछले कुछ समय से यूपीआइ के जरिए लेन-देन में अड़चन की स्थिति बार-बार आने के बावजूद उसे दूर करने के ठोस प्रयास नहीं हो रहे हैं।

यह विचित्र विरोधाभास है कि एक ओर नागरिकों को डिजिटल भुगतान के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, तो दूसरी ओर उन्हें तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले पंद्रह दिनों में तीसरी बार शनिवार सुबह जो दिक्कत शुरू हुई, वह दोपहर तक जारी रही। इस बीच सैकड़ों लोगों ने इसकी शिकायत की। सवाल है कि अगर बार-बार व्यवधान होगा, तो लोग डिजिटल लेन-देन को कैसे सुविधाजनक और सुरक्षित मानेंगे।

यह सच है कि यूपीआइ ने भारत में भुगतान परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। देश-दुनिया के किसी हिस्से में बैठा भारतीय अब यूपीआइ के जरिए लेन-देन करने लगा है। बड़ी संख्या में एक वर्ग डिजिटल भुगतान में दक्ष हो गया है। मगर इस क्रम में साइबर जोखिम के साथ जो तकनीकी दिक्कतें सामने आ रही हैं, यह चिंता का विषय है। इससे उनका डिजिटल लेनदेन से विश्वास टूटेगा।

उनमें ऐसी आशंका भी पैदा होंगी कि उनका भेजा पैसा कहीं अटक न जाए। ऐसे में लोग पारंपरिक भुगतान को फिर से प्राथमिकता देने लगेंगे। लगातार उन्नत हो रही तकनीक के बावजूद अगर डिजिटल लेन-देन में विफलता सामने आती है, तो जाहिर है कि इसमें कोई तकनीकी कमी है। ऐसे में डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे नागरिकों के कदम ठिठक सकते हैं।

'आधुनिक लोकतंत्र' का उद्देश्य लोगों का कल्याण करना

हमारे संविधान निर्माता एवं अग्रणी राष्ट्र-निर्माताओं में से एक बाबासाहेब भीमराव रामजी आंबेडकर जी की आज 135वीं जन्म-जयंती है। बाबासाहेब ने दलितों एवं वंचितों के उत्थान के लिए आजीवन कार्य किया। कमजोर वर्गों के वह जनप्रिय नायक और संघर्ष के प्रतीक पुरुष हैं, लेकिन उनके योगदान एवं विरासत के साथ सबसे बड़ा अन्याय यह हुआ है कि उन्हें सिर्फ एक दलित नेता के रूप में सीमित कर दिया गया है।

बहुआयामी प्रतिभा के धनी बाबासाहेब को आधुनिक भारत के सबसे अग्रणी विचारकों में से एक के रूप में भी देखा जाना चाहिए। तमाम हृदयविदारक अनुभवों के बाद कोई सामान्य व्यक्ति या तो अपने भाग्य को कोसकर रह जाता या हिंसा का रास्ता चुनता, लेकिन बाबासाहेब ने अपने भीतर के आक्रोश को सकारात्मक रूप देते हुए शिक्षा का मार्ग चुना। जिस समय उनके समाज के लोगों को शिक्षा प्राप्ति की भी अनुमति नहीं थी तब उन्होंने पीएचडी, डीलिट एवं बार-एट-ला जैसी उपाधियां हासिल कीं।

डॉ. आंबेडकर महान समाज सुधारक के साथ ही प्रखर बुद्धिजीवी, कानूनविद और अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने राजनीति, नैतिकता, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, कानून और धर्मशास्त्र जैसे विविध विषयों पर विस्तार से लिखा है। वह चाहते तो विदेश में आकर्षक वेतन प्राप्त कर अपना जीवन सुखपूर्वक व्यतीत कर सकते थे, लेकिन उन्होंने मातृभूमि को अपनी कर्मभूमि बनाया। उनका स्पष्ट मानना था कि चरित्र, शिक्षा से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है।

वह मानते थे कि किसी शिक्षित व्यक्ति में विनम्रता की कमी हो तो वह हिंसक जीव से भी अधिक खतरनाक होता है और उसकी शिक्षा से यदि गरीबों की हानि हो तो वह व्यक्ति समाज के लिए अभिशाप है। वह एक महान संस्थान निर्माता भी थे। संविधान निर्माण के केंद्र में रहने के अतिरिक्त भारतीय रिजर्व बैंक और केंद्रीय जल आयोग जैसी संस्थाएं उनके चिंतन एवं दूरदर्शिता की ही देन हैं।

बाबासाहेब का लोकतंत्र में अटूट विश्वास था। उनका मानना था कि कोई भी राज्य तब तक लोकतांत्रिक नहीं हो सकता है जब तक समाज लोकतांत्रिक न हो। उनका यह भी मानना था कि जब तक समाज में नैतिक व्यवस्था न हो तब तक लोकतंत्र का विचार कल्पना ही रहेगा। वह यह भी मानते थे कि जहां सामाजिक व्यवस्था नैतिक और समतामूलक नहीं होगी उस समाज में लोकतंत्र जीवित नहीं रह पाएगा। सामाजिक सुधारों के लिए भी वह प्रतिबद्ध थे, क्योंकि भारत के भविष्य, लोकतंत्र और अर्जित स्वतंत्रता को लेकर उन्हें बड़ी चिंता सताती थी।

उनकी आशंकाएं संविधान सभा में उनके अंतिम भाषण में व्यक्त भी हुई हैं। इसमें उन्होंने कहा कि हमें अपने खून की आखिरी बूंद तक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए दृढ़संकल्पित होना होगा। उन्होंने चेतावनी दी थी कि हमारी अकर्मण्यता के कारण भारत एक बार फिर अपना लोकतंत्र और स्वतंत्रता गंवा सकता है। उन्होंने कहा था कि हमें एक लोकतांत्रिक संविधान मिला है, लेकिन संविधान बनाकर हमारा काम पूरा नहीं हुआ, बल्कि बस शुरू हुआ है। संविधान के मुख्य निर्माता के तौर पर उनकी यह बात उनके दूरदर्शी सोच का प्रमाण है।

बाबासाहेब की दिखाई लोकतंत्र की राह पर देश निर्बाध आगे बढ़ता रहा, मगर आज कुछ लोग धर्म, जाति, भाषा आदि के आधार पर सामाजिक विभाजन के कुप्रयास में लगे हैं। हमें सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे विभाजनकारी कुप्रयास कभी सफल न हों। इन कुचक्रों को समझने एवं रोकने के लिए हमें बाबासाहेब की शिक्षा से सीख लेनी होगी। बाबासाहेब भी आर्यन-द्रविड़ विभाजन की असत्य कल्पना का लाभ उठा सकते थे, पर उन्होंने आर्य-द्रविड़ विभाजन और आर्य आक्रमण सिद्धांत को नकारा और लिखा कि यह सब विदेशी शक्तियों का षड्यंत्र है।

उन्होंने लिखा कि यजुर्वेद और अथर्ववेद के ऋषियों ने शूद्रों के लिए मंगलकारी बातें कही हैं और दर्शाया कि कई अवसरों पर 'शूद्र' परिवार में जन्में व्यक्ति भी राजा बने। उन्होंने इस पहलू को भी स्पष्ट रूप से खारिज किया कि तथाकथित 'अस्पृश्य' लोग 'आर्यों' और 'द्रविड़ों' से नस्लीय रूप से भिन्न हैं।

ध्यानाभ्यास,
यदि सही तरीके से किया जाए,
तो प्रयासरहित होता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

आतंक की चुनौती से डटकर लड़ रही सेना

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर काबू पाने के लिए हर स्तर पर किए गए उपायों के बावजूद आज भी वहां आए दिन जिस तरह के आतंकी घुसपैठ और हमले होते हैं, उससे यही लगता है कि वहां इस समस्या की जड़ें गहरी बनी हुई हैं। वरना क्या वजह है कि हर कुछ दिनों बाद सुरक्षा बलों की आतंकियों के साथ मुठभेड़ होती रहती है और उसमें कभी कुछ आतंकी मारे जाते हैं, तो कई बार हमारे जवान भी शहीद हो जाते हैं। मगर इस स्थिति में एक तरह की निरंतरता बनी हुई है, जिसकी बड़ी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है।

गौरतलब है कि जम्मू के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा यानी एलओसी पर आतंकियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की। मगर सतर्क जवानों ने शुक्रवार देर रात केरी भट्टल इलाके में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के एक समूह को देखा और उन्हें चुनौती दी। इसके बाद आतंकियों ने भीषण गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि सुरक्षा बलों ने आतंकियों की भारत में घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी, लेकिन यह दुख की बात है कि इस मुठभेड़ में भारतीय सुरक्षा बलों के एक सूबेदार घायल हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई।

विडंबना यह है कि जम्मू-कश्मीर में तमाम सख्ती के बावजूद पिछले कुछ समय से एक बार फिर आतंकवाद एक जटिल रूप में उभर रहा है। हर कुछ दिनों बाद आतंकी कभी राज्य के अलग-अलग इलाकों में आम नागरिकों से लेकर सुरक्षा बलों की शिविरों तक पर हमले करते हैं, तो कभी सीमा पार के इलाकों से भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश करते हैं। बाहरी प्रदेशों से आकर वहां गुजारा करने वाले प्रवासी मजदूरों

और अन्य स्थानीय लोगों पर लक्षित हमले करना भी आतंकियों की एक नई रणनीति है।

शनिवार को यह खबर आई कि किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों की ओर से चलाए गए एक अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए। इस तरह की हर घटना के बाद क्षेत्र से आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प दोहराया जाता है, मगर यह भी सच है कि पिछले काफी समय से इस तरह के संकल्पों और उपायों के बाद भी हालत यह है कि सुरक्षा बलों का सामना आतंकियों से होता है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि घुसपैठ की ताजा घटना भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सीमा प्रबंधन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए ब्रिगेड कमांडर स्तर की फ्लैग मीटिंग के दो दिन बाद हुई है। हाल में पाकिस्तान की ओर से संघर्ष विराम का भी उल्लंघन किया गया। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि सरकार और सुरक्षा बलों की ओर आतंकवाद का सामना करने के मामले में क्या किसी अन्य उपाय की जरूरत है! इसमें कोई दोराय नहीं है कि आतंकवादियों का सामना करने और उन पर काबू पाने के लिए सुरक्षा बलों की ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। यही वजह है कि आज जम्मू-कश्मीर में आतंकी अपने लिए खुला मैदान नहीं पाते हैं।

जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू होने के बाद उम्मीद की गई थी कि नई सरकार आतंकवाद के खात्मे के लिए जमीनी स्तर पर कुछ ऐसे कदम उठाएगी, जिससे आतंकियों की पकड़ कमजोर हो। अब स्थानीय लोग भी इस समस्या से पार पाने के लिए खड़े हो रहे हैं और आतंकियों को उनका समर्थन मिलना तेजी से कम हो रहा है। फिर भी अपनी उपस्थिति का संदेश देने के लिए आतंकी अक्सर हमले करते रहते हैं तो इससे यही पता चलता है कि राज्य में अभी इस समस्या को खत्म करने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

'एक मिनट' की जल्दी ने खा ली अच्छी-भली नौकरी

जरा हट के

कुछ कंपनियां एम्प्लॉयी फ्रेंडली होती हैं, तो कुछ के नियम ऐसे होते हैं कि हर वक्त तलवार लटकी ही रहती है. ऐसे ही एक ऑफिस ने अपने कर्मचारी को जिस वजह से निकाल दिया, सुनकर आप दंग रह जाएंगे.

किसी भी कर्मचारी के लिए इससे ज्यादा डरावना क्या होगा कि उसकी नौकरी सिर्फ इसलिए चली जाए कि उसने ऑफिस एक मिनट जल्दी छोड़ दिया. पड़ोसी देश चीन में ऐसा ही हुआ और ये मामला सुर्खियों में है. महिला कर्मचारी को तय समय से पहले सिर्फ एक मिनट पहले कंपनी से निकलने पर अच्छी-खासी नौकरी से हाथ धोना पड़ गया.

ये मामला चीन की ग्वांगझोउ का है. यहां काम करने वाली वांग नाम की महिला को नौकरी से इसलिए निकाला क्योंकि वो सिर्फ एक मिनट पहले कंपनी से बाहर निकल गई थी. लड़की की

कहानी जब लोगों के सामने आई तो पता चला कि ये काम महिला ने एक बार नहीं बल्कि एक ही महीने में 6 बार किया है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वांग तीन साल से इसी कंपनी में काम कर रही थीं और उनका परफॉर्मेंस भी बहुत अच्छा था. हालांकि जब कंपनी के कैमरे को चेकक किया, तो पता चला कि वांग एक मिनट पहले निकल जाती थी. यही बात उसके लिए मुसीबत बन गई.

ये मामला उस वक्त बाहर आया, जब कंपनी के कैमरे को अचानक ही चेक कर लिया. कंपनी के इस फैसले नाराज वांग ये मामला कोर्ट तक ले गई. जहां जज ने फैसला सुनाते हुए वांग का साथ दिया. जज के मुताबिक किसी को एक मिनट पहले ऑफिस छोड़ने पर नौकरी से नहीं निकाला जा सकता है. ये किसी भी कर्मचारी के लिए बड़ी दुर्भाग्य वाली बात होगी कि उसे इस बार पर काम से निकाल दिया जाए. कंपनी को ऐसा करने से पहले वॉर्निंग देनी चाहिए थी. फिर भी न मानने पर इस तरह का एक्शन लिया जा सकता था.

भरवा परवल

हर खास मौकों के लिए भरवा परवल एक बेहतरीन और आसान रेसिपी हो सकती है। ये हर किसी को बेहद पसंद आती है। इसे पूड़ी पराठे के साथ सर्व किया जा सकता है।

सामग्री :

- परवल- 500 ग्राम (मध्यम आकार के)
- तेल- 4 से 5 बड़े चम्मच
- हींग- 1 चुटकी
- जीरा- 1/2 छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- धनिया पाउडर- 1 बड़ा चम्मच
- सौंफ पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- अमचूर पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- गरम मसाला- 1/2 छोटा चम्मच

विधि :

एक कटोरे में धनिया पाउडर, सौंफ पाउडर, लाल मिर्च, हल्दी, अमचूर, गरम मसाला और नमक मिला लें। इन सभी मसालों में 1 बड़ा चम्मच तेल डालकर मिक्स करें, जिससे पेस्ट जैसा बन जाए।

छिले और बीचे से कटे हुए

परवल के अंदर ये मसाला अच्छे से भर दें। सभी परवल को एक-एक करके सावधानी से भरें ताकि वे टूटे नहीं। एक कढ़ाई में तेल गरम करें। उसमें जीरा और हींग डालें।

अब धीरे से भरे हुए परवल को कढ़ाई में रखें और धीमी आंच पर पकाएं। बीच-बीच में पलटते रहें ताकि सभी साइड से परवल अच्छे से सिक जाएं। ढककर करीब 10-12 मिनट पकाएं जब तक परवल नरम और हल्के क्रिस्पी न हो जाएं। भरवा परवल को गर्म-गर्म पराठे, पूरी या दाल-चावल के साथ परोसा जा सकता है।

डायबिटीज में दवा से ज्यादा कारगर हैं ये 5 सब्जियां!

- **घर पर जूस निकालकर करें सेवन**
- **तेजी से कंट्रोल होगा ब्लड शुगर**

हमारे देश में डायबिटीज पीड़ितों की फेहरिस्त लंबी है. यही कारण है भारत को डायबिटीज की राजधानी कहा जाता है. जी हां, यह एक क्रोनिक बीमारी है, जो जेनेटिक और लाइफस्टाइल दोनों ही फैक्टर से जुड़कर देखी जाती है. जीवनभर साथ चलने वाली डायबिटीज का कोई जड़ से इलाज तो नहीं है, लेकिन हेल्दी खानपान से कंट्रोल जरूर की जा सकती है. इस बीमारी के शिकंजे में यदि कोई एक बार आ गया तो जीवनभर इसे कंट्रोल करना पड़ता है. इसे कंट्रोल करने के लिए वैसे तो बाजार में कई दवाएं मौजूद हैं, लेकिन कई बार इनका साइड इफेक्ट भी हो सकता है. ऐसे में कुछ सब्जियों का जूस अधिक फायदेमंद हो सकता है. अब सवाल है कि आखिर डायबिटीज में किन सब्जियों का जूस फायदेमंद है? सब्जियों का जूस डायबिटीज में कैसे फायदेमंद? इस बारे में News18 को बता रही हैं दिल्ली डाइट क्लीनिक नोएडा की डाइटिशियन अमृता मिश्रा-

डायबिटीज कंट्रोल वाली सब्जियों का जूस

पालक जूस: एक्सपर्ट के मुताबिक, पालक का जूस ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करने अधिक कारगर है. बता दें कि, पालक जूस कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है,

जो डायबिटीज के मरीजों को लाभ पहुंचा सकता है. इसका सेवन सुबह-सुबह करना अधिक फायदेमंद है. हालांकि, परेशानी बढ़ने पर एक्सपर्ट की सलाह जरूरी है.

करेला जूस: बढ़ते ब्लड शुगर लेवल को तेजी से कम करने के लिए करेले के जूस का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है. डायबिटीज के जिन मरीजों को नियमित रूप से करेले का जूस पीने की आदत है, उनकी शुगर कम करने वाली दवाओं की निर्भरता आमतौर पर बहुत कम रहती है.

लौकी जूस: डायबिटीज पीड़ितों के लिए लौकी का जूस भी वरदान साबित हो सकता है. ऐसा करने से उन्हें न सिर्फ अपने ब्लड शुगर को मैनेज रखने में मदद मिलेगी, बल्कि इसके साथ-साथ हाई ब्लड शुगर के कारण होने वाली कई परेशानियों का भी जोखिम कम हो जाएगा.

खीरे जूस: शरीर में बढ़ता ब्लड शुगर लेवल घटाने के लिए खीरे का जूस भी अच्छा विकल्प हो सकता है. बता दें कि, खीरे के जूस में कई ऐसे खास तरह के गुण पाए जाते हैं जो डायबिटीज कंट्रोल करने के साथ-साथ इसके कारण होने वाली जटिलताओं जैसे कब्ज आदि को दूर करने में भी मदद करते हैं.

आंवला जूस: आंवले का जूस डायबिटीज के मरीजों के लिए सबसे हेल्दी तरल पदार्थों में से एक हो सकता है. ऐसा इसलिए है क्योंकि आंवले में ब्लड शुगर लेवल कम करने वाले कई तरह के खास गुण पाए जाते हैं और उसके साथ-साथ इसमें मौजूद कई तरह के विटामिन इम्यूनिटी को बढ़ाने में भी खूब मदद करते हैं.

आज का राशिफल

मेष : पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। नए कार्य में लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृषभ : व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

मिथुन : घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा।

कर्क : कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यस्तता रहेगी।

सिंह : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी,

कन्या : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। अपने काम पर ध्यान दें।

तुला : दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश शुभ रहेगा।

धनु : उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। फालतू खर्च होगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें।

मकर : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुंभ : फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन : यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा, सावधानी रखें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पत्थर की चक्की पर अनाज पीसने के होते हैं कई फायदे!

विटामिन्स से भरपूर अनाज और शरीर की होती जबरदस्त एक्सरसाइज

वर्तमान समय में आरामदायक जीवन और ऑटोमेटिक गैजेट्स की दुनिया में लोग इतने डूब गए हैं कि वर्षों पहले के हैल्दी साधन धीरे-धीरे गायब होते जा रहे हैं. जैसे मोटरसाइकिल आने पर साइकिल को छोड़ दिया गया, वैसे ही अनाज पीसने की वर्षों पुरानी पत्थर की चक्की की जगह अब इलेक्ट्रिक या घरघंटी ने ले ली है. कुछ परिवार ऐसे हैं जो आज भी अपने घर में अनाज पीसते हैं. सूरत में भी ऐसा ही एक परिवार है.

- **क्यों पत्थर की चक्की का उपयोग करती हैं यह सास-बहू की जोड़ी**

वर्षों पुरानी पत्थर की चक्की अब गिने-चुने स्थानों पर ही देखने को मिलती है. इस बीच, सूरत के जानकीपुरा इलाके के अंकुर पार्क में रहने वाली सास-बहू की जोड़ी आज भी वर्षों पुरानी पत्थर की चक्की पर ही अनाज पीसना पसंद करती हैं और अपने पूर्वजों की परंपरा को बनाए रख रही हैं. जिससे कहा जा सकता है कि आज भी ऐसे लोग हैं जो पत्थर की चक्की का अस्तित्व बनाए रखे हुए हैं.

पत्थर की चक्की पर अनाज पीसने के कई फायदे हैं. अनाज कम नहीं होता, उसमें मौजूद विटामिन्स बने रहते हैं. इतना ही नहीं, पीसने वाले को अच्छा व्यायाम भी मिलता है. कमर और हाथों की कसरत भी होती है. बाहर मिलने वाले अनाज या आटे की सफाई को लेकर कई महिलाओं के मन में सवाल रहते हैं, ऐसे में 65 साल की गीताबेन और उनकी 31 साल की बहू जनीशा पटेल आधुनिक युग में भी प्राचीन समय में इस्तेमाल होने वाली पत्थर की हाथ से चलने वाली चक्की का उपयोग कर वर्षों पुरानी परंपरा को बनाए रख रही हैं.

इस बारे में गीताबेन पटेल ने बताया, "साल 1990 से हम घर पर ही अनाज पीसते हैं. खासकर तुअर से दाल और चने से चना दाल और चने का आटा तैयार करते हैं. खेत से लाने के कारण हमें बाहर का खर्चा नहीं लगता और घर में बने होने के कारण वह साफ-सुथरा होता है. हर साल इस समय तुअर और चने को तपाने के बाद पीसने का काम करते हैं. इसमें मेरी बहू भी पीसती है और पति भी मदद करते हैं. मेरी सास और मां घर पर ही पत्थर की चक्की पर काम करती थीं, जिससे हमें भी यह रास आ गया है और साल में एक बार हम इसका उपयोग करते हैं."

चिकनाई वाले बर्तन धोने का आसान तरीका

भारतीय रसोई में घी का इस्तेमाल खूब किया जाता है. घरों में मलाई इक्कट्ठी करके उसे जलाया जाता है, ताकि फ्रेश घी निकाला जा सके. चाहे पराठा सेंकना हो या दाल में तड़का लगाना, घी के बिना जायका अधूरा सा लगता है. लेकिन जब यही घी बर्तनों में जम जाता है, तो उन्हें धोना किसी मुश्किल भरे काम से कम नहीं लगता. घी के चिपचिपेपन की वजह से बर्तन न सिर्फ गंदे दिखते हैं, बल्कि उन्हें बार-बार धोना भी पड़ता है. लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हम लेकर आए हैं एक ऐसा घरेलू उपाय, जिससे घी और तेल के जिद्दी दाग भी एक वॉश में साफ हो जाएंगे.

जब भी आप घी या तेल वाले बर्तन धोने जा रही हों, तो पहले एक बाल्टी गर्म पानी लें और उसमें बेकिंग सोडा मिला दें. लगभग एक चम्मच बेकिंग सोडा पर्याप्त होता है. इस पानी में अपने चिपचिपे बर्तन को 10 से 15 मिनट तक भिगो दें. बेकिंग सोडा घी की मोटी परत को ढीला कर देता है और चिकनाई को तोड़ देता है. इसके बाद जब आप बर्तन धोएंगी, तो वो एक ही बार में चमक उठेंगे.

नींबू और नमक का भी करें इस्तेमाल

अगर बेकिंग सोडा नहीं है, तो आप नींबू और नमक का भी उपयोग कर सकती हैं. एक नींबू को काटकर उसमें थोड़ा नमक लगाएं

और उसे सीधे बर्तन पर रगड़ें. नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड और नमक की रगड़ मिलकर घी की चिपचिपाहट को दूर करने में मदद करते हैं.

सबसे आसान उपाय ये

इसके अलावा आप डिशवॉश लिक्विड को भी गरम पानी में मिला सकते हैं. यह काफी आसान उपाय है, जो बर्तन की चिकनाई को जल्दी से हटा देता है. इसके लिए बर्तनों को कुछ देरी के लिए डुबो कर रखना होगा. अच्छी बात यह है कि इससे न सिर्फ चिकनाई जल्दी हटेगी, बल्कि बर्तनों से बदबू भी चली जाएगी.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

अब दो बच्चों की मां को 22 साल के युवक से हुआ प्यार, विरोध पर उठाया खौफनाक कदम

अमरोहा. यूपी के अमरोहा में 12वीं में पढ़ने वाले 17 साल के किशोर से 26 साल की शादीशुदा महिला के प्यार के चर्चे इस समय छाए हुए हैं। अपने पति और बच्चों को छोड़कर महिला किशोर के साथ ही रहने भी लगी है। किशोर के बालिग होते ही उससे शादी की बात कह रही है। इस बीच यूपी के ही मिर्जापुर में दो बच्चों की मां को 22 साल के युवक से प्यार हो गया। जिस तरह अमरोहा में महिला से किशोर नौ साल छोटा है, उसी तरह यहां भी महिला से युवक आठ साल छोटा है। दोनों के प्यार के चर्चे आम हुए तो विरोध शुरू हो गया। इस बीच सोमवार की भोर में दोनों का शव एक ही रस्सी से पेड़ पर लटकता मिलने से सनसनी फैल गई। माना जा रहा है कि परिवार और समाज के विरोध के कारण दोनों ने यह कदम उठाया है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच में जुटी है। दोनों रिश्ते में मौसेरे भाई-बहन भी लगते थे।

गोमांस तस्करों के खिलाफ कार्रवाई, दबिश देने गई पुलिस से भिड़ीं महिलाएं, 3 गिरफ्तार

बरेली. यूपी के बरेली में बारादरी पुलिस ने रविवार रात गोमांस तस्करों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की। एक तस्कर को मुठभेड़ के दौरान पकड़ा, जिसमें उसके पैर में गोली लगी है। दूसरे तस्कर के घर दबिश के दौरान उसके परिजन पुलिस से भिड़े तो मां, बहन और भाई को गिरफ्तार कर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि बारादरी के मोहल्ला काजीटोला निवासी गोमांस तस्कर वसीम, फैयाज और कसाई टोला निवासी कासिम उर्फ सानू कसाई समेत कुछ तस्कर गोकशी के मामले में वांछित चल रहे हैं। रविवार देर रात सेटेलाइट चौकी प्रभारी गौरव अत्री को कासिम उर्फ सानू कसाई की लोकेशन मिली तो पुलिस टीम के साथ घेराबंदी की गई। मगर वह पुलिस पर फायरिंग भागने लगा। जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से सानू कसाई घायल होकर गिर पड़ा। उसके कब्जे से बाइक, तमंचा-कारतूस और गोकसी के औजार बरामद किए हैं।

मृतक के फर्जी दस्तखत से बनवाई वसीयत, हड़प लिया मकान; 25 साल बाद दर्ज हुई रिपोर्ट

कानपुर. कानपुर के फजलगंज में मृतक के फर्जी हस्ताक्षर से वसीयत तैयार कर मकान हड़पने का मामला सामने आया है। 25 साल से न्याय की तलाश में भटक रही पीड़िता ने शिकायत पुलिस कमिश्नर से की तो जांच शुरू हुई। सात नामजद और कई अज्ञात पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

उरई निवासी प्रवीन सिंह ने बताया कि उनका पैतृक मकान दर्शनपुरवा में है। एक फरवरी 1997 को पिता विष्णु पाल सिंह ने घर बेचने के लिए 28 लाख रुपये में जितेंद्र पाठक, मो. अकील, रशीन अहमद, कमाल अहमद से एग्रीमेंट किया था। इस दौरान दो लाख रुपये एडवांस दिए गए थे। मकान की रजिस्ट्री से पहले चचेरे भाई ने कोर्ट से स्टे ले लिया जिसके बाद परिवार उरई जाकर रहने लगा। पांच मार्च 1999 को पिता की हादसे में मौत हो गई।

आरोप है कि आरोपितों ने पिता की फोटो लगाकर उनके फर्जी हस्ताक्षर कर वसीयत तैयार की। कोई भी वारिस नहीं होने की बात दर्शाकर मकान अपने नाम कर लिया। वसीयत में आरोपितों ने पिता की मौत के 13 दिन बाद की तारीख दिखाई है। फजलगंज थाना प्रभारी सुनील कुमार के मुताबिक पीड़िता की शिकायत पर जांच के बाद जितेंद्र पाठक, रमेश मिश्रा, रीता मिश्रा, अनिल सक्सेना, घनश्याम मौर्य, अनिल सिंह, सरोज कुमार प्रधान समेत अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है।

PNB घोटाले का आरोपी मेहुल चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार

- भारत की प्रत्यर्पण अपील के बाद एक्शन
- सेहत का हवाला देकर बेल मांग सकता है चोकसी

ब्रुसेल्स. पंजाब नेशनल बैंक से लोन धोखाधड़ी मामले में आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को पुलिस ने बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर 12 अप्रैल को उसकी गिरफ्तारी हुई, फिलहाल वह जेल में है। भारत ने बेल्जियम के साथ चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस ने चोकसी को गिरफ्तार करते समय दो गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया। ये मुंबई की एक अदालत ने जारी किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वारंट 23 मई 2018 और 15 जून 2021 के थे। ऐसा माना जा रहा है कि चोकसी अपनी खराब सेहत का हवाला देते हुए जमानत और तत्काल रिहाई की मांग कर सकता है।

बेल्जियम में गिरफ्तारी के बाद मेहुल चोकसी ने अपने खराब सेहत का हवाला देते हुए कोर्ट में जमानत मांगी है। उसकी ओर से कहा गया है कि इलाज कराने के लिए बेल्जियम आया था और अपनी पत्नी के साथ एंट्वर्प में रह रहा था।

वकील बोले- इलाज के लिए प्रत्यर्पण रोकने की अपील करेगा चोकसी

- चोकसी के वकील विजय अग्रवाल ने कहा कि उनका मुवक्किल जमानत के लिए अपील दायर करेगा। इस दौरान वह यह भी अपील करेगा कि उसे हिरासत में न रखा जाए और कैद से बाहर रहकर उसे खुद का बचाव करने और प्रत्यर्पण अपील का विरोध करने की अनुमति दी जाए।
- वकील ने कहा कि अपील में कहा जाएगा कि चोकसी के भागने का कोई जोखिम नहीं है। वह बहुत बीमार है और कैंसर का इलाज करा रहा है। यह भी कहा जाएगा कि चोकसी का मामला राजनीतिक मामला है और भारतीय जेलों की हालत बहुत खराब है।

स्विट्जरलैंड भागने की तैयारी कर रहा था चोकसी

चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। पिछले महीने खुलासा हुआ था कि मेहुल चोकसी बेल्जियम में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेहुल पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा है, जिन्हें बेल्जियम की नागरिकता मिली है।

बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ही चोकसी की मौजूदगी की जानकारी दी थी। सूत्रों के मुताबिक, मेहुल चोकसी बेल्जियम से स्विट्जरलैंड भागने की कोशिश कर रहा था।

हरियाणा में PM बोले- कांग्रेस मुस्लिम को अध्यक्ष बनाए

- वक्फ कानून ठीक होता तो मुसलमान पंचर नहीं बनाते

हिसार. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (14 अप्रैल) हरियाणा दौरे पर रहे। सुबह करीब 10 बजे उन्होंने हिसार में हरियाणा के पहले एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। यहां से हिसार-अयोध्या फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद PM यमुनानगर पहुंचे। यहां उन्होंने 800 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट की यूनिट, कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का शिलान्यास और रेवाड़ी बाइपास का उद्घाटन किया।

PM मोदी ने कहा-"देश आजाद होने के बाद 2013 तक वक्फ का कानून चलता था। 2013 में कांग्रेस ने कानून में संशोधन कर दिया, ताकि चुनाव में वोट पा सकें। कानून को ऐसा बना दिया कि बाबा साहेब के संविधान की ऐसी-तैसी कर दी। इसका सही उपयोग होता तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर बनाने की जरूरत नहीं होती।"

PM ने आगे कहा- "कांग्रेस कहती है कि ऐसा मुसलमानों के हित में किया। मैं पूछना चाहता हूं कि अगर सच्चे मन से मुसलमानों के लिए थोड़ी भी हमदर्दी है तो कांग्रेस पार्टी अपनी पार्टी का अध्यक्ष किसी मुसलमान को बनाए, लेकिन इनके नेता ऐसा कुछ नहीं करेंगे। ये सिर्फ देश के नागरिकों के अधिकारों को छीनना चाहते हैं।"

DU प्रिंसिपल ने क्लास रूम में गोबर का लेप लगाया

- बोलीं- यह रिसर्च प्रोजेक्ट का हिस्सा,
- कमरे को ठंडा रखने के लिए देसी तरीका अपना रहे

नई दिल्ली. दिल्ली यूनिवर्सिटी के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्रिंसिपल का क्लास रूम की दीवारों पर गोबर का लेप लगाते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। प्रिंसिपल प्रत्यूष वत्सला के मुताबिक यह रिसर्च प्रोजेक्ट का हिस्सा है। उन्होंने खुद ही कॉलेज के शिक्षकों के साथ यह वीडियो शेयर किया है। वीडियो में प्रिंसिपल ने बताया कि क्लास रूम को ठंडा रखने के लिए ये देसी तरीके अपनाए जा रहे हैं।

इसके बारे में प्रिंसिपल का कह यह एक रिसर्च प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जो कॉलेज के एक फैकल्टी सदस्य की देखरेख में चल रहा है। रिसर्च फिलहाल प्रक्रिया में है और पूरा डेटा एक हफ्ते बाद साझा किया जाएगा।

डॉ. वत्सला ने कहा, 'यह रिसर्च कॉलेज के पोर्टा कैबिन्स (एक प्रकार का कमरा) में की जा रही है। मैंने खुद एक कमरे की दीवार पर गोबर लगाया, क्योंकि मिट्टी और गोबर जैसे प्राकृतिक चीजों को छूने में कोई हर्ज नहीं है। कुछ लोग बिना जानकारी के अफवाह फैला रहे हैं।'

बेरोजगार हुए बंगाल शिक्षक दिल्ली रवाना

- 25 हजार की गई है नौकरी

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के 25 हजार से ज्यादा शिक्षक एवं अन्य स्टाफ की नौकरी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चली गई है। इसे लेकर तीखा विरोध हो रहा है और सीएम ममता बनर्जी का भी कहना है कि वह इस फैसले को स्वीकार नहीं करेंगी। उन्होंने कहा था कि वह उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान करती हैं, लेकिन किसी टीचर की नौकरी नहीं जाने देंगी। इस बीच बेरोजगार हुए शिक्षकों का एक वर्ग दिल्ली रवाना हुआ है। इन टीचरों का कहना है कि हम दिल्ली तक आवाज पहुंचाना चाहते हैं। शिक्षकों की योजना 16 अप्रैल को राष्ट्रीय राजधानी के जंतर मंतर पर धरना देने की है।'डिजर्विंग टीचर्स राइट्स फोरम' के प्रवक्ता महबूब मंडल ने कहा कि शीर्ष अदालत के तीन अप्रैल के आदेश के बाद नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों में शामिल 70 लोग दो बसों में सवार होकर कोलकाता के एस्प्लेनेड क्षेत्र से रवाना हुए।

उच्चतम न्यायालय ने 26,000 शिक्षकों और गैर-शिक्षकों की भर्ती को रद्द कर दिया था। मंडल ने कहा, 'हमारा विरोध उन योग्य शिक्षकों को निकालने के खिलाफ है जिन्होंने 2016 में एसएससी की भर्ती परीक्षा योग्यता के आधार पर पास की थी। इसके बावजूद, हमें उन लोगों के साथ अनुचित रूप से जोड़ दिया गया, जो भ्रष्टाचार में शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने पूरी प्रक्रिया को ही भ्रष्ट घोषित कर दिया। अब हमें क्या करना चाहिए?' उन्होंने कहा कि बर्खास्त कर्मचारियों को स्वैच्छिक रूप से काम करने की अनुमति देने के राज्य सरकार के प्रस्ताव को बहुत कम लोगों ने स्वीकार किया है। मंडल ने कहा, 'हम राष्ट्रीय राजधानी में लोगों के समक्ष अपना पक्ष रखना चाहते हैं। कई प्रमुख व्यक्तियों ने समर्थन व्यक्त किया है और धरने के दौरान हमसे मिलने की योजना बना रहे हैं।'

1800 करोड़ की 300 किलो ड्रग्स जब्त

- पोरबंदर से 190 किमी दूर समुद्र में फेंककर भागे तस्कर
- पाकिस्तानी बोट होने की आशंका

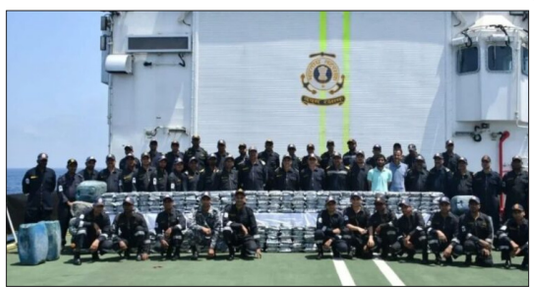

पोरबंदर. गुजरात में इंडियन कोस्ट गार्ड (ICG) ने 300 किलो ड्रग्स जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 1,800 करोड़ रुपए बताई जा रही है। जब्त ड्रग्स मेथामफेटामाइन हो सकता है। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (ATS) और कोस्ट गार्ड ने 12-13 अप्रैल की रात ज्वाइंट ऑपरेशन के तहत पोरबंदर से 190 किमी दूर समुद्र से ड्रग्स की खेप को पकड़ा है। गुजरात ATS से मिली जानकारी के बाद कोस्ट गार्ड ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL) की ओर सर्च के लिए जहाज भेजा था। अंधेरे के बीच कोस्ट गार्ड की टीम ने एक बोट को स्पॉट किया। बोट सवारों से पहचान बताने को कहा। इससे घबराए तस्करों ने ड्रग्स को समुद्र में फेंका और अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भाग निकले।

कोस्ट गार्ड टीम ने समुद्र में फेंकी गई ड्रग्स को रेस्क्यू बोट की मदद से बाहर निकाला। बोट का कनेक्शन पाकिस्तान से होने की आशंका है। फिलहाल जांच के लिए जब्त की गई ड्रग्स को पोरबंदर में ATS को सौंप दिया गया है।

गौरतलब है कि गुजरात ड्रग्स तस्करी का अहम रूट बनता जा रहा है। पिछले साल अप्रैल 2024 में भी ICG ने पोरबंदर के पास 86 किलो ड्रग्स (600 करोड़ की कीमत) पकड़ी थी। फरवरी 2024 में नौसेना और NCB ने 3300 किलो ड्रग्स जब्त की थी, जिसकी कीमत 1300 से 2000 करोड़ रुपए थी।

अब अमृतपाल सिंह को CM बनाने की तैयारी

पंजाब की खडूर साहिब सीट से सांसद अमृतपाल सिंह फिलहाल असम की जेल में बंद हैं। इधर, उन्हें राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनाने की चर्चाएं तेज हो रही हैं। पंजाब में अगले विधानसभा चुनाव 2027 में होने हैं। पंजाब पुलिस ने 2023 में अमृतसर के बाहरी इलाके में एक पुलिस थाने पर हमला करने के आरोप में उन्हें फिर से गिरफ्तार किया था और असम के डिब्रूगढ़ की एक स्थानीय अदालत से 'ट्रांजिट रिमांड' हासिल की थी।

द ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, अकाली दल (वारिस पंजाब दे) ने रविवार को सिंह को अगला सीएम उम्मीदवार बनाने का ऐलान किया है। पार्टी ने तलवंडी साबो में आयोजित बैसाखी कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा की है। रिपोर्ट के अनुसार, फरीदकोट सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अगले डेढ़ साल तक अमृतपाल सिंह का प्रचार करने की अपील की है।

5 साल की बच्ची से रेप का प्रयास के बाद हत्या

आरोपी को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया

हुबली. कर्नाटक के हुबली में 5 साल की बच्ची का अपहरण और हत्या के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने मासूम के साथ बलात्कार करने की भी कोशिश की थी। पुलिस ने बताया कि अशोक नगर पुलिस थाना क्षेत्र में यह घटना हुई और बच्ची का शव एक खाली पड़ी इमारत में मिला। पुलिस ने कहा कि बच्ची की मेडिकल जांच कराई जा रही है। इलाके के लोगों में इस घटना से आक्रोश फैल गया और वे बड़ी संख्या में अशोक नगर पुलिस थाने के सामने एकत्र हुए थे। उन्होंने बच्ची को न्याय दिलाने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया था।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी की पहचान बिहार के रहने वाले रितेश कुमार के रूप में हुई जो पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा जा चुका है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के दौरान वह पुलिस से भिड़ गया और मारा गया। रितेश बच्ची को एक शेड में लेकर गया और उसका बलात्कार करने की कोशिश की। मगर, बच्ची की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग शेड की ओर दौड़ पड़े। इसी दौरान आरोपी ने बच्ची का गला दबाकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया था।

पुलिस अधिकारी का घटना पर बयान

हुबली-धारवाड़ के पुलिस आयुक्त एन. शशि कुमार ने आज दिन में बताया था, 'बच्ची के माता-पिता की शिकायत पर कार्रवाई की जा रही है। बच्ची का परिवार कोप्पल जिले से है। उसकी मां एक घरेलू नौकरानी और ब्यूटी पार्लर में सहायक के रूप में काम करती है। उसके पिता एक पेंटर के रूप में काम करते हैं।' उन्होंने कहा कि बच्ची की मां इलाके के घरों में काम करती है, इसलिए वह उसे अपने साथ ले गई थी। एक अज्ञात व्यक्ति वहां से बच्ची को ले गया था। तलाश करने पर बच्ची घर के

मुंबई ने लगातार 3 गेंदों पर 3 रनआउट किए

- अक्षर ने हवाई छलांग लगाकर सिक्स बचाया
- DRS पर रोहित हुए आउट

IPL-18 के 29वें मैच में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हरा दिया। रविवार को मुंबई ने दिल्ली के 3 बैटर्स को लगातार तीन गेंदों पर रनआउट कर मैच अपने नाम कर लिया।अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई ने 5 विकेट खोकर 205 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 19 ओवर में 193 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

अक्षर के रिव्यू लेने पर रोहित शर्मा आउट हुए। तिलक ने रिवर्स स्वीप पर सिक्स लगाया। स्टब्स और फ्रेजर मैकगर्क के बीच में बॉल गिरी, कैच छूटा। अक्षर ने बाउंड्री पर छलांग लगाकर सिक्स बचाया। आशुतोष और मुकेश कैच के लिए आपस में भिड़े।

मुंबई ने 5वें ओवर की आखिरी गेंद पर पहला विकेट गंवाया। विपराज निगम ने रोहित शर्मा को LBW आउट किया। विपराज ने शॉर्ट लेंथ पर लेगब्रेक बॉल फेंकी। रोहित ने स्लॉग स्वीप करने की कोशिश की, लेकिन चूक गए और बॉल पैड पर जा लगी। दिल्ली टीम ने अपील की लेकिन अंपायर ने नॉट आउट दिया। कप्तान अक्षर ने रिव्यू लिया और बॉल ट्रैकिंग से पता चला कि गेंद लेग स्टंप पर लग रही थी। यहां अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा।

अक्षर पटेल की बॉल पर तिलक वर्मा ने रिवर्स स्वीप शॉट खेलकर सिक्स लगाया। अक्षर ने 9वें ओवर की दूसरी बॉल ऑफ स्टंप पर फेंकी। तिलक ने स्टांस बदलते हुए खुद को राइट-हैंडर की पोजिशन में करके बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर से छक्के के लिए शॉट खेल दिया।

13वें ओवर की चौथी बॉल पर ट्रिस्टन स्टब्स और जैक फ्रेजर मैकगर्क के बीच गलतफहमी से कैच कैच छूट गया।

डॉ. आंबेडकर चाहते थे दो हिस्सों में बंटे बिहार, यूपी के हों तीन पार्ट

नई दिल्ली. भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता डॉ. बी आर आंबेडकर का मानना था कि बड़े राज्य शासन और लोकतांत्रिक जवाबदेही के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करते हैं, जबकि छोटे राज्य अधिक प्रबंधनीय होते हैं और समान विकास सुनिश्चित कर सकते हैं। आंबेडकर ने 1955 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'थॉट्स ऑन लिंग्विस्टिक स्टेट्स' में बिहार और मध्य प्रदेश जैसे बड़े प्रांतों के विभाजन की जोरदार वकालत की और कहा कि 'वर्तमान प्रांत बहुत बड़े हैं तथा प्रशासन योग्य नहीं हैं'।

वह भाषायी आधार पर राज्यों के निर्माण के समर्थक थे, लेकिन वह अत्यधिक बड़ी इकाइयों के गठन को लेकर बहुत चिंतित थे। उन्होंने लिखा, 'बड़े भाषायी राज्यों का विचार बिलकुल भी लोकतांत्रिक विचार नहीं है। यह लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों से स्पष्ट रूप से अलग है। यह विचार लोकतंत्र के विचार से पूरी तरह प्रतिकूल है।'

आंबेडकर ने सुझाव दिया था कि राज्यों का विभाजन न केवल प्रशासनिक दक्षता के लिए किया जाना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी किया जाना चाहिए कि कोई भी क्षेत्र या समूह खुद को हाशिए पर महसूस न करे।

उन्होंने सिफारिश की थी कि बिहार को दो राज्यों में विभाजित किया जाना चाहिए और इसी तरह मध्यप्रदेश को उत्तरी तथा दक्षिणी मध्यप्रदेश में बांटा जाना चाहिए।

हालांकि, इन प्रस्तावों पर तुरंत कार्रवाई नहीं की गई, लेकिन दशकों बाद इनकी प्रासंगिकता फिर से बढ़ गई। वर्ष 2000 में, बिहार से झारखंड और मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ का गठन किया गया।

आंबेडकर ने अपनी पुस्तक में उत्तर प्रदेश को तीन राज्यों में विभाजित करने का भी प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि इन तीनों राज्यों में से प्रत्येक की आबादी लगभग दो करोड़ होनी चाहिए, जिसे वे प्रभावी प्रशासन के लिए मानक आकार मानते थे।

आंबेडकर ने यह भी सुझाव दिया कि इन प्रस्तावित राज्यों की राजधानियां क्रमशः मेरठ, कानपुर और इलाहाबाद (अब प्रयागराज) हो सकती हैं।

17 लाख तक पहुंचा चारधाम का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

- केदारनाथ-बदरीनाथ चारों धामों में यहां ज्यादा होंगे दर्शन

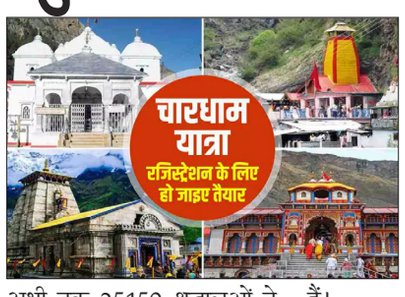

यहां कराएं पंजीकरण

उत्तराखंड चारधाम के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। वेबसाइट registrationandtouristcare.uk.gov.in पर पंजीकरण कराया जा सकेगा। साथ ही मोबाइल ऐप touristcareuttarakhand पर भी पंजीकरण कराया जा सकेगा। हेलीकॉप्टर यात्रा के लिए हेली टिकट heliyatra.irctc.co.in पर बुक किए जा सकेंगे।

देहरादून. उत्तराखंड चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं में भारी उत्साह दिखाई दे रहा है। चारधाम यात्रा में भक्तों का रिकॉर्ड ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हो रहा है। तीर्थ यात्रियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा 16,80,955 पहुंच गया है।

रविवार को शाम पांच बजे तक यमुनोत्री धाम में 278085, गंगोत्री 300907, केदारनाथ 572813 और बदरीनाथ धाम के लिए 503991 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया। हेमकुंड साहिब के लिए अभी तक 25159 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया।

सबसे अधिक 1581733 पंजीकरण श्रद्धालुओं ने वेब पोर्टल के जरिए ही कराया। मोबाइल ऐप से 99219 पंजीकरण हुए। 23834 निजी वाहनों ने भी अपना पंजीकरण करा लिया है। 34 कमर्शियल वाहन पंजीकृत हुए हैं। 23922 हेली रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं।

इसके लिए बुकिंग अप्रैल पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना है। किसी भी समस्या के लिए टोल फ्री नंबर 0135-1364 पर श्रद्धालु 24 घंटे संपर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही टेलीफोन नंबर 01352559898 और 01352552627 पर भी संपर्क कर सकेंगे।

पिछले साल 2024 में सभी धामों में करीब 48 लाख श्रद्धालु दर्शन को पहुंचे थे। चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्यटन विभाग ने सलाह जारी की है। यात्रा से पूर्व आधार प्रमाणित पंजीकरण अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन में सही मोबाईल नम्बर दर्ज कराया जाए। धामों पर दर्शन को टोकन जरूर प्राप्त किए जाएं।

आम सूचना

हम श्री मंजीत सिंघ चरणसिंघ लबाणा व श्री कुलदीप चरणसिंघ लबाणा सभी को सूचित कर रहे हैं कि शॉप, 100 चौ.फुट, रुम नं. 12, बैरक नं. 611 के पास, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीआय016109800) उक्त प्रॉपर्टी श्री मनिष लखमीचंद धिंगरा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट 12.3.2025 सी.नं. 562 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मंजीत सिंघ चरणसिंघ लबाणा
व श्री कुलदीप चरणसिंघ लबाणा

आम सूचना

मैं श्रीमती रिता रमेश गुप्ता सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 404, 4था मजला, मीरा मेंशन सोसायटी, रुम नं. 47, 48, ब्लाक नं. ए-8, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 09एआय017608600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती अर्चना एस. सिंग के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 11.4.2025 सी.नं. 1564/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती रिता रमेश गुप्ता

आम सूचना

मैं श्रीमती लता संजय कढरे सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, भीमनगर, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 07एओ014721400) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुर्यकांत दत्तु जाधव के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 11.4.2025 सी.नं. 1552/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती लता संजय कढरे

संक्षेप...

स्कुल शिक्षक ने ऑनलाइन गंवाए 66 लाख रुपये

कल्याण. कल्याणके एक 54 वर्षीय स्कूल शिक्षक ने ऑनलाइन निवेश घोटाले का शिकार होकर 66 लाख रुपये गंवा दिए. कल्याण निवासी ने पुलिस को बताया कि सुनीता चौधरी नाम की एक महिला ने सोशल मीडिया पर उससे दोस्ती की और उसे उच्च रिटर्न का वादा करने वाली एक वेबसाइट के माध्यम से एक योजना में निवेश करने के लिए उकसाया। कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि शिक्षक ने बाद में लगभग 50 दिनों में इस योजना में 66 लाख रुपये का 'निवेश' किया। जब शिक्षक ने रिटर्न और मूल निवेश की वापसी मांगना शुरू किया, तो आरोपी, जो दो मोबाइल फोन के माध्यम से उससे संवाद कर रहा था, उससे संपर्क नहीं हो पाया।

'बाबासाहब अम्बेडकर हमारे राष्ट्रीय नायक'

■ आइए हम उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई. विश्व रत्न, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती आज देश-विदेश में मनाई जा रही है। इस अवसर पर राज्य एवं देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस बीच, देश भर से अनुयायी आज बाबासाहेब को श्रद्धांजलि देने और नमन करने के लिए मुंबई स्थित चैत्यभूमि पर आ रहे हैं। वहीं, आज मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, मंत्री आशीष शेलार, मंत्री संजय राठौड़, राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन और अन्य ने चैत्यभूमि जाकर बाबा साहेब की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये. इस बीच, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा है कि बाबासाहेब की जयंती के प्रति उत्साह न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बाबा साहब के कार्यों के कारण ही आज हम अखंड भारत देख रहे हैं और इसका श्रेय बाबा साहब और संविधान को दिया जाना चाहिए। संविधान को लागू हुए 75 साल पूरे हो रहे हैं। अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। बाबा साहब का कार्य अतुलनीय है। देश निर्माण के लिए जो नींव चाहिए, वह बाबा साहब ने रखी और देश में पहले जो गलत रीति-रिवाज और परंपराएं थीं, उसके कारण लोग एक-दूसरे को इंसान नहीं मानते थे। मनुष्य ने स्वयं मनुष्य को मनुष्य नहीं कहा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इससे बाहर निकालने का काम बाबासाहेब ने किया और देश में समानता और भाईचारा स्थापित करने का काम बाबासाहेब ने किया।

■ संविधान किसी भी अन्य पुस्तक से प्रिय...

संविधान के माध्यम से हमें जीवन में समान अधिकार और विशेषाधिकार मिले हैं। समान अधिकार मिलने से मुझे अपना सपना पूरा करने की ताकत मिली। संविधान का मूल भगवान गौतम बुद्ध के विचारों से आता है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि संविधान मुझे किसी भी अन्य पुस्तक से अधिक प्रिय है। क्योंकि संविधान ने देश के निर्माण का काम किया है। इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि संविधान देश को कैसे एकजुट रखेगा। बाबासाहेब एक विधिवेत्ता थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब ने विकास की नींव रखी, क्योंकि सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में उनका बहुत बड़ा योगदान था और उनके पास सामाजिक दृष्टि थी।

■ संविधान के कारण समान अधिकार...

बाबासाहेब ने अपने बारे में नहीं बल्कि समाज के बारे में सोचा, अपने बारे में नहीं बल्कि देश के बारे में सोचा, अपने बारे में नहीं बल्कि विश्व के कल्याण के बारे में सोचा। इसलिए बाबासाहेब हमारे लिए सच्चे राष्ट्रीय नायक हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आज की श्रद्धांजलि उस राष्ट्रवादी को है और हम उनके मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लेते हैं। अतः बाबासाहेब के संविधान की बदौलत देश में जमीनी स्तर पर लोगों को समान अधिकार और विशेषाधिकार मिल रहे हैं। इसके अलावा, बाबासाहेब ने अपना जीवन देश को समर्पित कर दिया। उनके कारण आज गरीब से गरीब व्यक्ति भी बड़े सपने देख सकता है। राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि वह अपने सपने को साकार कर सकती हैं.

डॉ. अम्बेडकर सामाजिक समानता सप्ताह के अवसर पर

वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यशाला का आयोजन

ठाणे. भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में तथा भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक समानता सप्ताह के संयोजन में आज जिले के वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर शुरू किए गए सामाजिक समानता सप्ताह का यह दसवां वर्ष है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी सामाजिक समानता सप्ताह को उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिली। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित कार्यशाला में सरकारी अवकाश होने के बावजूद बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया।इस कार्यक्रम के अवसर पर "राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति 2007" विषय पर व्याख्याता प्रमोद ढोकले ने सरल और सहज भाषा में इस कानून के बारे में जानकारी दी। व्याख्यान को उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सराहा।

इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष तथा ठाणे के समाज कल्याण सहायक आयुक्त समाधान इंगले, पारसिक वरिष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष चंद्रशेखर गाडे, कलवा वरिष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष मधुसूदन गोडबोले, भाई कांबले, राशमी वरिष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष रत्नाकर पवार, सरकारी अधिकारी-कर्मचारी तथा वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।सहायक आयुक्त समाज कल्याण ठाणे समाधान इंगले ने "भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक समानता सप्ताह" कार्यक्रम के अंतर्गत सहायक आयुक्त, समाज कल्याण, ठाणे कार्यालय द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यान्वित की गई योजनाओं की जानकारी, कानून का संक्षिप्त विश्लेषण और योजना के संबंध में आने वाली कठिनाइयों पर मार्गदर्शन किया। समाज कल्याण निरीक्षक अभिजीत शिंदे ने कार्यक्रम में आए सभी वरिष्ठ नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

सिविल अस्पताल में डॉ. अंबेडकर की जयंती उत्साह के साथ मनाई

ठाणे. लोकनेता राज असरोंडकर ने कहा, ₹आखिर एक देश कैसे बनाता है ज़मीन या पत्थर एक देश उसके लोगों से बनता है। और जो व्यवस्था इन लोगों को एक साथ लाती है और उन्हें एकजुट रखती है, वह लोकतंत्र है, और इस लोकतंत्र को अपनाने के ज़रिए ही एक देश अपने वास्तविक अस्तित्व को प्राप्त कर सकता है। यह वह मौलिक विचार है जिसे भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने अपने दृष्टिकोण से स्थापित किया था।छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने देश की संविधान को तैयार किया जिससे यह देश चल रहा है। तीन महान व्यक्तित्वों के कार्य और विचारों की विरासत को संजोने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महांगड़े की अध्यक्षता और स्वास्थ्य उपसंचालक डॉ. अशोक नांदापुरकर के मार्गदर्शन में हुआ। लॉ बाय लॉ आंदोलन के अग्रदूत और विचारक राज असरोंडकर ने मुख्य मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। अपने भाषण के माध्यम से उन्होंने लोकतंत्र के महत्व पर प्रकाश डाला और उपस्थित लोगों में एक नई चेतना पैदा की। उन्होंने शिवाजी महाराज के प्रशासन के प्रति न्यायपूर्ण दृष्टिकोण, महात्मा फुले के सामाजिक समानता और डॉ. अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान में इन तीनों दिग्गजों के कार्यों के अंतर्संबंधों को समझाया और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने के महत्व पर बल दिया।

रक्तदान शिविर का आयोजन

ठाणे. भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर व भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक समानता सप्ताह के संयोजन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ क्षेत्र के नागरिकों से भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इस अवसर पर ठाणे के समाज कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त समाधान इंगले, समाज कल्याण निरीक्षक अभिजीत शिंदे सहित अन्य कार्यालय कर्मचारी और क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों ने रक्तदान शिविर में भाग लिया। इस रक्तदान शिविर को छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के डीन डॉ राकेश बारोट, एचओडी डॉ. शिवकुमार कोरी और अस्पताल के रक्तदान विभाग के कासार सहित टीम ने अथक परिश्रम किया।

धूमधाम से मनाई गई भारत रत्न बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती

■ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया अभिवादन

ठाणे. भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 134वीं जयंती ठाणे शहर में बड़े उत्साह के साथ मनाई गई।मनपा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर हार फूल चढ़ाकर विनम्र अभिवादन किया।साथ ही सांसद नरेश म्हस्के, जिला कलेक्टर अशोक शिनगारे,मनपा आयुक्त सौरभ राव ने भी डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नतमस्तक किया।इस अवसर पर पूर्व सांसद आनंद परांजपे, पूर्व महापौर संजय मोरे, पूर्व नगरसेवक पवन कदम, उपायुक्त जी.जी. गोदापुरे, उपायुक्त शंकर पटोले सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।इसके अलावा ठाणे स्टेशन स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपायुक्त उमेश बिरारी, उपायुक्त शंकर पटोले, सहायक आयुक्त सोपान भाईक आदि उपस्थित थे।

IRCTC भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन द्वारा 'उत्तर भारत देवभूमि यात्रा'

■ हरिद्वार, ऋषिकेश, अमृतसर, वैष्णोदेवी, कटरा, मथुरा, वृन्दावन और आगरा की सैर

▶▶ धर्मेंद्र उपाध्याय

ठाणे. आईआरसीटीसी भारत सरकार की "एक भारत श्रेष्ठ भारत" और "देखो अपना देश" पहल के अनुरूप और देश में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यह विशेष पर्यटक ट्रेन पैकेज शुरू किया है। टूर पैकेज भारतीय रेलवे द्वारा भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन पर संचालित प्रमुख आध्यात्मिक टूर पैकेजों में से एक है। 09 रातों और 10 दिनों की धार्मिक यात्रा, जो लगभग 5000 किलोमीटर की दूरी तय करती है, पर्यटकों को जीवन में एक बार की यात्रा पर ले जाएगी, जिसमें जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक स्थान शामिल हैं।आईआरसीटीसी अपनी विशेष और आधुनिकतम मिश्रित एसी/नॉन एसी टूरिस्ट ट्रेन में ऐतिहासिक और धार्मिक यात्रा का लाभ उठाने के लिए आपका स्वागत करता है। खूबसूरत एलएचबी ट्रेन कोच में आधुनिक रसोई सहित कई अद्भुत विशेषताएं हैं। ट्रेन में प्रत्येक कोच के लिए सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड की उन्नत सुरक्षा विशेषताएं हैं।

बहुप्रतीक्षित ट्रेन टूर "उत्तर भारत देवभूमि गुरु कृपा के साथ" सोमवार 17 अप्रैल 2025 (गुरुवार) को पुणे रेलवे स्टेशन से 09 रातों/10 दिनों की यात्रा कार्यक्रम के साथ रवाना होने के लिए तैयार है। भारतीय रेलवे ने भारत सरकार के "देखो अपना देश" और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन चलाने की पहल की है।

आईआरसीटीसी की विशेष यात्रा

हरिद्वार, ऋषिकेश, अमृतसर, वैष्णोदेवी, कटरा, मथुरा, वृन्दावन और आगरा को कवर करेगा और वापस पुणे को कवर करेगा।

गंतव्य और यात्रा कवर:

हरिद्वार : हृषिकेश, हर की पौड़ी, गंगा आरती
अमृतसर : स्वर्ण मंदिर, बाघा बॉर्डर
कटरा : माता वैष्णोदेवी दर्शन
मथुरा : कृष्ण जन्मभूमि,वृंदावन
आगरा : ताज महल

इकोनॉमी स्लीपर, कम्फर्ट 3एसी और कम्फर्ट 2एसी क्लास वाली पर्यटक ट्रेन में कुल 750 पर्यटक बैठ सकेंगे।पर्यटक इस पर्यटक ट्रेन में पुणे-लोनवाला-कर्जत-कल्याण-वसई रोड-वापी-भेस्थान (सूरत)-वडोदरा रेलवे स्टेशन पर भी चढ़/उतर सकते हैं। आईआरसीटीसी ने सभी समावेशी पैकेजों की आकर्षक कीमत इस प्रकार रखी है।

इकोनॉमी क्लास (एसएल): 18230/-
कम्फर्ट क्लास (3एसी): 33880/-
कम्फर्ट क्लास (2एसी): 41530/-

इस टूर पैकेज में एसी/नॉन एसी क्लास में आरामदायक ट्रेन यात्रा, डबल/ट्रिपल/क्वाड शेयर पर एसी/नॉन एसी बजट होटलों में रात्रि विश्राम, सभी भोजन (जहाज पर और जहाज से बाहर): सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन, चाय/कॉफी और रात का खाना (केवल शाकाहारी भोजन), एसी/नॉन एसी वाहनों में सभी स्थानान्तरण और दर्शनीय स्थलों की सैर, यात्रा बीमा और IRCTC टूर मैनेजरों की सेवाएँ आदि शामिल हैं।आईआरसीटीसी टूर के दौरान पर्यटकों को सुरक्षित और स्वस्थ यात्रा प्रदान करके सभी आवश्यक स्वास्थ्य सावधानियों का भी ध्यान रख रहा है।अधिक जानकारी के लिए आप IRCTC की वेबसाइट https://www.irctctourism.com पर जा सकते हैं और वेब पोर्टल पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए आप मोबाइल नंबर 8287931886 पर संपर्क कर सकते हैं।

सलमान खान को घर में घुसकर मारने की धमकी

■ कार उड़ाने की भी लिखी बात

एक्टर सलमान खान को फिर धमकी मिली है। खबर है कि अज्ञात शख्स ने खान की कार को उड़ाने की धमकी दी है। इस संबंध में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल, आरोपी की पता नहीं चल सका है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की तरफ से कथित तौर पर खान को कई बार धमकी दी जा चुकी है। बीते साल एक्टर के आवास पर गोलीबारी के मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंबई परिवहन विभाग के WhatsApp नंबर पर मैसेज आया था। संदेश में एक्टर खान को घर में घुसकर मारने की धमकी दी गई थी। साथ ही उनकी कार को भी बम से उड़ाने की धमकी दी थी। वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज हो गया है। फिलहाल, पुलिस ने धमकी भरे संदेश की जांच शुरू कर दी है।

काला हिरण केस के कारण निशाने पर?

बिश्नोई गैंग की तरफ से कथित तौर पर काला हिरण मारे जाने को लेकर सलमान को कई बार धमकी मिल चुकी है। मामला 1998 का है।

साल 2024 में भी एक्टर को धमकी मिली थी, जिसमें मंदिर जाकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने या 5 करोड़ रुपये देने की मांग की गई थी। बीते साल 30 अक्तूबर को खान से 2 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी।

खिंडीपाडा में 156 निरंकारी भक्तों का उत्स्फूर्त रक्तदान

मुंबई. सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की सिखलाई को अपनाते हुए मानवीयता का हृदयस्पर्शी एवं आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करते हुए संत निरंकारी सत्संग भवन, खिंडीपाडा, भांडूप, मुंबई में रविवार 13 अप्रैल को सुबह ९ से दोपहर 2 बजे तक आयोजित भव्य रक्तदान शिविर में 156 निरंकारी भक्तों ने बड़े उत्स्फूर्त भाव से रक्तदान किया.

संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस रक्तदान शिविर में संत निरंकारी मिशन की मुलुंड, खिंडीपाडा, भांडूप, गोशाला, कोकण नगर और कांजूर मार्ग की ब्रांचों के 250 से भी अधिक स्वयंसेवकों ने रक्तदान के लिए अपने नाम दर्ज किए थे. इससे उनकी "मानवता का करे सम्मान, आओ मिलकर कर रक्तदान" की उत्कट मानव सेवा की भावना उजागर होती है.

इस शिविर का उद्घाटन आदरणीय श्रीधर पाटील, सेक्टर संयोजक मुलुंड एवं आदरणीय अमोल सुर्वे, सेवादल क्षेत्रीय संचालक के करकमलों द्वारा किया गया.संत निरंकारी ब्लड बैंक, विले पार्ले द्वारा इस शिविर में रक्त संकलन किया गया.

इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने में स्थानीय मुखी श्री गिरधारी भक्तानी की देखरेख में सेवादल स्वयंसेवक एवं संत निरंकारी चॅरिटेबल फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया.

आम सूचना

मैं श्री मोती लक्ष्मणदास खियानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि ग्राऊंड, पहला माला, बैरक नं. 1037 के सामने, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 36सीआय006511600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती लीला रमेश वर्मा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 14.4.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मोती लक्ष्मणदास खियानी

आम सूचना

मैं श्रीमती रजनी श्यामलाल कामरा सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 504, 5वां माला, जय शंकर अपार्टमेंट, सामने कृष्णा वीविंग मिल्स, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 28बीआय005039800) उक्त प्रॉपर्टी श्री चंदर मूलचंद भाटिया व श्री गोप चंदर भाटिया के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 28.8.1993 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती रजनी श्यामलाल कामरा

आम सूचना

हम श्रीमती अनिल सीतलदास मंगताणी व श्री सागर अनिल मंगताणी सभी को सूचित कर रहे हैं कि शॉप नं. 2, ग्राऊंड फ्लोर, सामने बैरक नं. 33, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 15एआय015731600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती निकीता प्रकाश पेसवाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट 1.3.2025 सी.नं. 26/181 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती अनिल सीतलदास मंगताणी व श्री सागर अनिल मंगताणी

आम सूचना

हम श्रीमती किस्मातून निशा बशीर खान व श्री मोहमद बशीर खान सभी को सूचित कर रहे हैं कि शॉप नं. 6, ग्राऊंड फ्लोर, गागन शापिंग सेंटर, लिंक रोड के पास, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 28बीआय017395000) उक्त प्रॉपर्टी श्री जवाहर जीवनदास नारंग के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट 6.7.2024 सी.नं. 1083 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती किस्मातून निशा बशीर खान व श्री मोहमद बशीर खान

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099